Theme: Pedagogical Leadership for Enhancing Student Learning Competencies

Shri Manmohan Vishvakarma
Head Teacher
Government Middle School, Gehunkhedi
Narsinghgarh, Rajgarh, Madhya Pradesh
Email id: manmohanvishvakrma@gmail.com
Mobile no.: 8878606397

शासकीय माध्यमिक विद्यालय गेहूंखेड़ी विकासखंड नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश

भौतिक चुनौतियां :- कीचड़ युक्त विद्यालय पहुंच मार्ग, ऊबड़खाबड़, गड्ढे युक्त विद्यालय मैदान, शौचालय का अभाव, पीने के पानी का अभाव

शैक्षणिक चुनौतिया:- छात्र छात्राओं का अनियमित विद्यालय आना। अभिभावकों का सकारात्मक सहयोग नहीं था। स्कूल भेजने की जगह अभिभावक अपने बच्चों को खेत पर ले जाते थे। इस कारण छात्रों की विद्यालय के प्रति रुचि बहुत कम हो गई थी जिससे छात्रों का लर्निंग लेवल बहुत कम हो गया था। छात्र विद्यालय नहीं आएंगे तो फिर, एक शिक्षक के लिए इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं हो सकती, की छात्रों को पुनः विद्यालय की ओर आकर्षित कैसे करें।
सामुदायिक चुनौतियां :- ग्रामीण जनों का शासकीय विद्यालय के शिक्षण पर भरोसा न होना। प्रमुख चुनौतियां रही

समस्या समाधान की बनाई गई रणनीति :- विद्यालय के प्रति समाज का विश्वास जुटाना सबसे बड़ा काम था। इसके लिए सबसे पहले हमारा फोकस छात्रों के शिक्षण पर था । बेहतरीन शिक्षण के माध्यम से ही समाज का जुड़ाव हो सकता है। अभिभावको का विश्वास तभी बनेगा जब उन्हें लगेगा कि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल रही है। इसी सोच के साथ छात्रों को सीखने का ऐसा माहौल बनाया जिससे बच्चे विद्यालय आने के लिए आकर्षित होने लगे इसके लिए हमने रणनीति बनाई की वर्तमान परिस्थितियों और आने वाले समय को ध्यान में रखे तो शिक्षा में TLM ,के साथ साथ टेक्नोलॉजी का प्रयोग अत्यावश्यक हो गया है। आधुनिक टेक्नोलॉजी का सकारात्मक उपयोग कर रूचिपूर्ण शिक्षण छात्रों को मिल सके इस हेतु हमने विद्यालय में आईसीटी का प्रयोग प्रारंभ करने का निश्चय किया लेकिन यह इतना आसान नहीं था ग्रामीण परिवेश और अभिभावकों के पास स्मार्ट मोबाइल की अनुपलब्धता एक बड़ी चिंता थी।

समस्या समाधान के लिए जुटाए गए साधन की जानकारी :- हम संकल्पित थे छात्रों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए छात्रों की सक्रिय और रूचिपूर्ण सहभागिता बनाने के लिए हमने TLM का निर्माण किया जिससे बच्चों को उत्साह बनाने और अवधारणा समझाने में आसानी हुई। हमने प्रयोगात्मक रूप में सर्वप्रथम छात्रों को अपने टेबलेट के माध्यम से फिल्म तारे जमीं पर दिखाई फिल्म के पश्चात हमने छात्रों से फिल्म से जुड़े कुछ प्रश्न किए सभी छात्र बहुत उत्सुकता के साथ हमारे प्रश्नों के सटीक उत्तर दे रहे थे तभी हमने तय कर लिया कि पाठ्यक्रम से संबधित कंटेट को आईसीटी से जोड़ेंगे खुद सीखेगे और छात्रों को भी सिखाएंगे।

इस हेतु हमने आईसीटी के विभिन्न एप्लिकेशन ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर की जानकारी प्राप्त की और उनके माध्यम से कक्षा में छात्रों के बीच कंटेंट समझाने लगे । हम प्रतिदिन घर पर पाठ्यक्रम के कंटेंट आधारित वीडियो तैयार करते अगले दिन कक्षा में उनको टेबलेट के माध्यम से दिखाते। कहानियों को अपनी आवाज में ऑडियो और वीडियो के रूप में तैयार कर छात्रों के पास उनके पेरेंट्स के मोबाइल पर पहुंचाने लगे। वह प्रतिदिन छात्रों के घर पर उन्हें देखकर अगले दिन प्रश्न मंच प्रतियोगिता के माध्यम से फीडबैक लेने लगे। लेकिन हमें यहां भी एक समस्या थी कि केवल 15 से 20 परसेंट लोगों के पास ही स्मार्ट फोन था। शेष छात्रों को हम अपने मोबाइल टेबलेट आदि के माध्यम से पढ़ाई करवाते। इस प्रकार शिक्षण में टेक्नोलॉजी के उपयोग से हमें भी बहुत से नए नए आइडिया पर काम करने का मौका मिला । छात्रों के पाठ्यक्रम से किसी कंटेंट को समझाने के लिए उसका वीडियो तैयार करना फिर कक्षा में उसका प्रस्तुतीकरण करना हमारे शैक्षणिक कौशल को भी बढ़ाने में मददगार साबित हुआ। हमारे छात्रों की नेतृत्व क्षमता बढ़े, उनमे प्रस्तुतीकरण क्षमता एवं स्किल डेवलपमेंट हो, इसके लिए अवसर उन्हें प्रदान किए। कक्षा में 1 दिन निर्धारित किया जिसमें पूरे समय कक्षा का संचालन छात्र

खुद करने लगे। हमारे द्वारा तैयार वीडियो ऑडियो आदि पर समूह में चर्चा करने लगे छात्रों के लिए यह नया प्रयोग बहुत ही आकर्षित लगा। जब बच्चे गांव के अन्य छात्रों को स्कूल गतिविधियों की जानकारी देने लगे तो आश्चर्यजनक रूप से जहां विद्यालय में 30% से 40% उपस्थिति रहती थी वहीं अब 80% से 90% उपस्थित रहने लगी। छात्र आईसीटी के प्रयोग के साथ-साथ टी एल एम के माध्यम से खुद करके सीखने लगे। जिससे उनका लर्निंग लेवल भी बढ़ने लगा । प्रारंभ में बेसलाइन टेस्ट का परिणाम 30% से 40% रहता था जो एण्डलाइन टेस्ट तक 90% ऊपर परिणाम प्राप्त होने लगा। रुचिपूर्ण माहौल में सीखने के अवसर मिलने से छात्र-छात्राएं प्रसन्नता पूर्वक अन्य शैक्षणिक और सह शैक्षणिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने लगे।

समुदाय की सहभागिता के लिए प्रयास :- हमारा अगला कदम था समुदाय की विद्यालय में सहभागिता हमने इसके लिए योजना बनाई मातृ सम्मेलन एवं अभिभावक सम्मेलन आयोजित करने की। लेकिन यह काम इतना आसान नहीं था। ग्रामीण परिवेश और राजपूत समाज का बाहुल्य गांव होने कारण महिलाएं बहुत कम घर के बाहर निकल पाती थी। लेकिन इस बार एक बात हमारे पक्ष में थी कि बच्चे हमारे साथ थे हमने योजना बनाकर विद्यालय में बाल मेले का आयोजन किया। कुछ एसएमसी सदस्यों के साथ मिलकर प्रत्येक बच्चे के घर बाल मेले और मातृसम्मेलन की सूचना दी गई। छात्रों के माध्यम से मम्मी जी, दादी जी को बाल मेले में आने हेतु प्रेरित किया। बच्चों की जिद के कारण ही माताएं घर से निकल पाई। विद्यालय में उपस्थित हुई माताओं को विद्यालय की गतिविधि, एवं छात्रों के शैक्षिक स्तर की जानकारी दी। साथ ही सामाजिक कुप्रथा बाल विवाह एवं मध्य पान आदि के नुकसान के बारे में जानकारी दी। सभी माताओं ने अपने विचार सुनकर के गांव की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर गांव में मद्यपान के विक्रय पर पूर्णता प्रतिबंध लगा दिया ।

समाधान हेतु प्राप्त सहयोग व्यक्ति/ संस्था की जानकारी:- छात्रों को टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए एक अशासकीय स्कूल से कंप्यूटर दान में लिया, एक एनजीओ हैंशले फ्री द्वारा एक टैबलेट लिया जिसका भरपूर उपयोग शिक्षण में ICT के उपयोग करने में किया। अभिभावकों से संपर्क किया उनके स्मार्ट फोन में छात्रों को अध्ययन के लिए कुछ निशुल्क एप्लिकेशन,ओपन सोर्स वेबसाइट को चलाने का तरीका सिखाया,ताकि छात्र उत्सुकता पूर्वक अध्ययन में मन लगा सके। अभिभावकों ने बच्चों की पढ़ाई में देख कर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रत्येक अभिभावक ने एक एक जोड़ बेहतरीन गणवेश बच्चों को दिलवाई,कुछ अभिभावकों ने व्हाइट बोर्ड के लिए राशि दान दी जिसका उपयोग विद्यालय में किया जा रहा है। उत्कृष्ट शिक्षण बेहतरीन विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों का विद्यालय में पुनः विश्वास उनकी विद्यालय में सहभागिता के परिणाम स्वरुप नरसिंहगढ़ विधान सभा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का पुरस्कार तत्कालीन माननीय विधायक महोदय ने डेढ़ लाख रुपए के फर्नीचर प्रदान किए। एकेडमिक

लीडरशिप में अच्छा प्रदर्शन देख राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 18 जोड़ अच्छी क्वॉलिटी के डेस्क छात्रों के लिए प्रदान किए।

बदलाव हेतु किए गए कार्य की प्रक्रिया :- हमारा विश्वास था सफलता तो मिलेगी ही बस अपने कार्य की क्षमता को बढ़ाना होगा। इसी सोच के साथ विभिन्न प्रशिक्षण में प्राप्त मार्गदर्शन का सकारात्मक उपयोग कर, विभिन्न नवाचार गतिविधि आधारित शिक्षण एवं शिक्षण में टेक्नोलॉजी का उपयोग करने हेतु आईसीटी का प्रयोग विद्यालय में प्रारंभ किया । क्योंकि हमारे दिमाग में एक जुनून था कि कैसे भी विद्यालय में पढ़ने वाले इन छोटे-छोटे छात्रों को उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्टतम प्रयोग कर इन छात्रो को श्रेष्ठतम शिक्षण देना है । इन्हें भविष्य का एक अच्छा नागरिक बनाना है । शिक्षा के माध्यम से इन्हें इनके लक्ष्य तक पहुंचाना है,ताकि

ये अपने गांव के साथ राष्ट्र के विकास में सहयोगी बन सके। हमारा अगला कदम थाx शिक्षण को रुचिकर एवं गतिविधि आधारित बनाने एवं छात्रों को उनके स्तर अनुसार आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए छात्रो को कुछ एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के उपयोग की जानकारी देना । उदाहरण के लिए भूगोल पढ़ाने के लिए नक्शे की जगह डिजिटल शिक्षण सामग्री के रूप में एक एप्लीकेशन 'मार्बल', एवं डिजिटल ग्लोब का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें एक क्लिक पर विश्व के किसी भी देश की भौगोलिक, राजनीतिक, सामाजिक आदि जानकारी डिजिटल रूप में बता सकते हैं । इसी प्रकार जियोजेब्रा मैथ्स ऐप के माध्यम से गणित विज्ञान भूगोल आदि की जानकारी बहुत ही रोचकता पूर्वक छात्रों को दी जा सकती है।विज्ञान शिक्षण में PHET ऐप का उपयोग छात्रो को खुद करके सीखने की प्रवृत्ति का विकास करता है। प्राइमरी कक्षाओं के लिए Tux of paint एवं Tux of mathes , edu active आदि कुछ गतिविधि आधारित एप्लीकेशन का उपयोग सिखा सकते हैं। जिसकी सहायता से छात्र बहुत ही आसानी से डिजिटल शिक्षण के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उपलब्धियां :-

- छात्रों का विद्यालय में नियमित ठहराव ।
- शैक्षणिक स्तर में वृद्धि।
- छात्रो की विद्यालय संचालन में सक्रिय भूमिका।
- छात्रों में आईसीटी के उपयोग से टेक्नोलॉजी की समझ विकसित हुई। छात्र अपने अभिभावकों को भी ICT का उपयोग सिखाने लगे परिणामस्वरूप वर्तमान में अभिभावकों द्वारा भी छात्रो को डिजिटल पढ़ाई में सहयोग किया जा रहा है।
- गतिविधि आधारित शिक्षण में टी एल एम के माध्यम से स्वयं करके सीखने से छात्रों की समझ विकसित हुई।
- छात्रों में नेतृत्व क्षमता एवं प्रस्तुतीकरण का विकास
- अभिभावकों का विद्यालय के प्रति विश्वास बड़ा।

आगामी योजनाएं :- “कोई लक्ष्य बडा नहीं,अगर इरादे मजबूत हो।” इसी वाक्य को अपना ध्येय मानते हुए

- विद्यालय के सभी छात्रो को टेक्नोलॉजी से जोड़ने हेतु कम्प्यूटर शिक्षा देने की कार्ययोजना बनाई जा रही है।
- स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षण हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। हम प्रयास कर रहे है हमारे यहां स्मार्ट बोर्ड हो जिससे छात्र और बेहतर तरीके से टेक्नोलॉजी से जुड़ सके।
- प्रत्येक विषय के कंटेंट को टी एल एम के माध्यम से गतिविधि आधारित पाठ्ययोजना तैयार कर ICT से जोड़ने का प्रयास कर रहे है ।
- उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्टतम उपयोग कर सर्वसंसाधन युक्त विद्यालय बनाने की और विद्यालय अग्रसर है।

कार्य हेतु प्राप्त सम्मान/प्रशंसा की जानकारी :-

- सन् 2017 में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार
- सन् 2017 में विधानसभा क्षेत्र नरसिंहगढ़ में सर्वश्रेष्ठ विद्यालय पुरस्कार
- सन् 2019 में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान।
- सन् 2020 में शून्य निवेश नवाचारी शिक्षक सम्मान
- सन् 2021 में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान राज्यपाल पुरस्कार
- सन् 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश स्तरीय शिक्षक सम्मेलन में हमारे विद्यालय के कार्यों की सराहना की।
- सन् 2025 में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान नई दिल्ली में सफल विद्यालय नेतृत्व कार्यक्रम 2025 में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्यालय में किए गए कार्यों का प्रस्तुतीकरण का अवसर मिला। जिसमें NIEPA द्वारा राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया।